14/09/2014

प्रिय साथियो

आज हिन्दी दिवस है। आज के ही दिन वर्ष 1949 में भारतीय संविधान का निर्माण का करने वाली समिति ने सर्वसम्मति से हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में अपनाया था। मित्रो हम वैज्ञानिक अनुसंधान का कार्य करते हैं तथा कई जनोपयोगी प्रौद्योगिकियों का निर्माण करते हैं, परंतु राष्ट्र के आमजन को कई बार इसका उचित लाभ इसलिए नहीं मिल पाता, क्योंकि हमारे प्रयासों की जानकारी उस तक उसकी सरल भाषा में नहीं पहुँच पाती है। जहां एक ओर अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में प्रकाशित कर अपने अनुसंधान को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर पहुंचाना आवश्यक है वहीं दूसरी ओर हमारे देश के सभी लोगो को हमारे अनुसंधान से जोड़ना, उन्हें इसका अधिकाधिक लाभ पहुंचाना भी हमारा परम कर्तव्य है और इसके लिए आवश्यक है कि हमारी अनुसंधान एवं विकास कार्यों की जानकारी सम्पूर्ण भारतवासियों को उनकी अपनी भाषा में प्राप्त हो, केवल तभी वो इसमें भागीदार हो सकेंगे तथा इसका लाभ ले सकेंगे। इस महत्वपूर्ण कार्य को हिन्दी के माध्यम से व्यापक स्तर पर और अधिक प्रभावपूर्ण ढंग से किया जा सकता है। इसलिए आज हिन्दी दिवस के अवसर पर मैं आप सबसे यह अपील करता हूँ कि अपने दैनिक कार्यों में हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करें ताकि हम माननीय संसदीय समिति को दिये आश्वासनों तथा राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम में हमारे लिए निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित कर सकें तथा साथ-साथ हिन्दी में अधिकाधिक तकनीकी लेखन से वैज्ञानिक अनुसंधान एवं विकास के लाभ एवं इसकी जानकारी को प्रत्येक जन तक पंहुचा सकें। उन सभी कर्मचारियों से जिन्होंने हिन्दी भाषा, आशुलिपि, टंकण अथवा कंप्यूटर पर हिन्दी में कार्य का प्रशिक्षण लिया है तथा वे भी जो हिन्दी में प्रवीण हैं उन्से मैं यह अपेक्षा करता हूँ कि वे अपने समस्त दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करेंगे तथा साथ ही अपने हिन्दी के ज्ञान को अन्य कर्मचारियों के साथ भी बांटेगे। इससे कार्यालय में राजभाषा हिन्दी का कार्यान्वयन अधिक प्रभावी होगा। हमारे यहाँ प्रबोध का स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है, इसमें नामित लोगों के लिए इसमें भाग लेना तो आवश्यक है ही, परंतु इनके साथ वे अन्य लोग, जो इसमें रुचि रखते हैं, वे भी इसमें भाग ले सकते हैं। पुनः हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग के अनुरोध के साथ आप सभी को हिन्दी दिवस की शुभकामनायें।।